IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

राजस्थान की जनसंख्या और मुख्य खाद्यान्न फसल :- उत्पादन और प्रतिशत जनसंख्या निर्वहन

हिमांशु सोनी शोधार्थी 1, श्री प्रमोद कुमार जनोलिया शोध निदेशक 2,

करियर पॉइंट यूनिवर्सिटी कोटा राजस्थान

शोधसार :-

यह शोध कार्य एक सामान्य अध्ययन है जिसका मूल सार यह है की राजस्थान में कृषि के लिए उपलब्ध भूमि और उत्पादन पर राजस्थान की जनसंख्या का कितना भाग कौनसी फसल का उपभोगी है, राजस्थान में गेंहू,चावल, मक्का,ज्वार, बाजरा, मुख्य खाद्यान है यह शोध केवल शाकाहारी खाद्यान्न के ऊपर ही निर्भर है यह स्पष्ट तो नहीं कहा जा सकता की इतने प्रतिशत लोग केवल गेंहू पर या इतने प्रतिशत लोग केवल मक्का पर ही आश्रित है , परन्तु एक अनुमान हमें हो जाएगा ,

की वर्ड :- जनसंख्या , उत्पादन ,गेंहू,मक्का,चावल, प्रति व्यक्ति उपभोग ,

उद्देश्य:-

इस शोध का मूल उद्देश्य राजस्थान में उत्पादित खाद्यान पर निर्भर जनसंख्या का अध्ययन करना है ,इसमें मुख्य रूप से गेंहू , चावल,मक्का ,ज्वार ,बाजरा, को शामिल किया गया है , राजस्थान का 50 प्रतिशित से अधिक भाग मरूस्थलीय है यहाँ कृषि के लिए अधिक भूमि की उपलब्धता नहीं है , इस लिए यह जरूरी हो जाता है की क्या यहाँ उत्पादित फसले जनसंख्या की पूर्ति हेतु पर्याप्त है या भविष्य में इस क्षेत्र में विचार की आवशयकता होगी

अध्ययन क्षेत्र :-

अध्ययन क्षेत्र राजस्थान प्रदेश है जो की भारत देश के उत्तर-पश्चिम में स्थित है यह क्षेत्रफल की दृष्टी से भारत का सबसे बड़ा राज्य है जिसका क्षेत्रफल 342239 वर्ग किलोमीटर है यह 2303' उत्तर से 3012' उत्तर और 6930' पूर्व से 7817' पूर्व में स्थित है ,इसकी लम्बाई उत्तर से दक्षिण 826 किलोमीटर व पूर्व से पश्चिम 869 किलोमीटर है राजस्थान की लगभग 62% भूमि मरूस्थलीय है (61.11) जिसमे 40% जनसंख्या निवास करती है यहाँ 23%भाग पर मैदान का ,7% पर पठार का , व 9% पर पर्वतों का विस्तार है , 50 सेंटीमीटर वर्षा रेखा इसे दो भागो में विभाजित करती है कर्क रेखा राज्य के दो जिलो से होकर गुजरती है , इस क्षेत्र में अरावली पर्वत क्रम जो की विश्व का सबसे पुराना पर्वत क्रम है स्थित है ,जो दक्षिण से उत्तर की और जाता हैराजस्थान में यह 550 कीलोमीटर लम्बाई में विस्तृत है ,

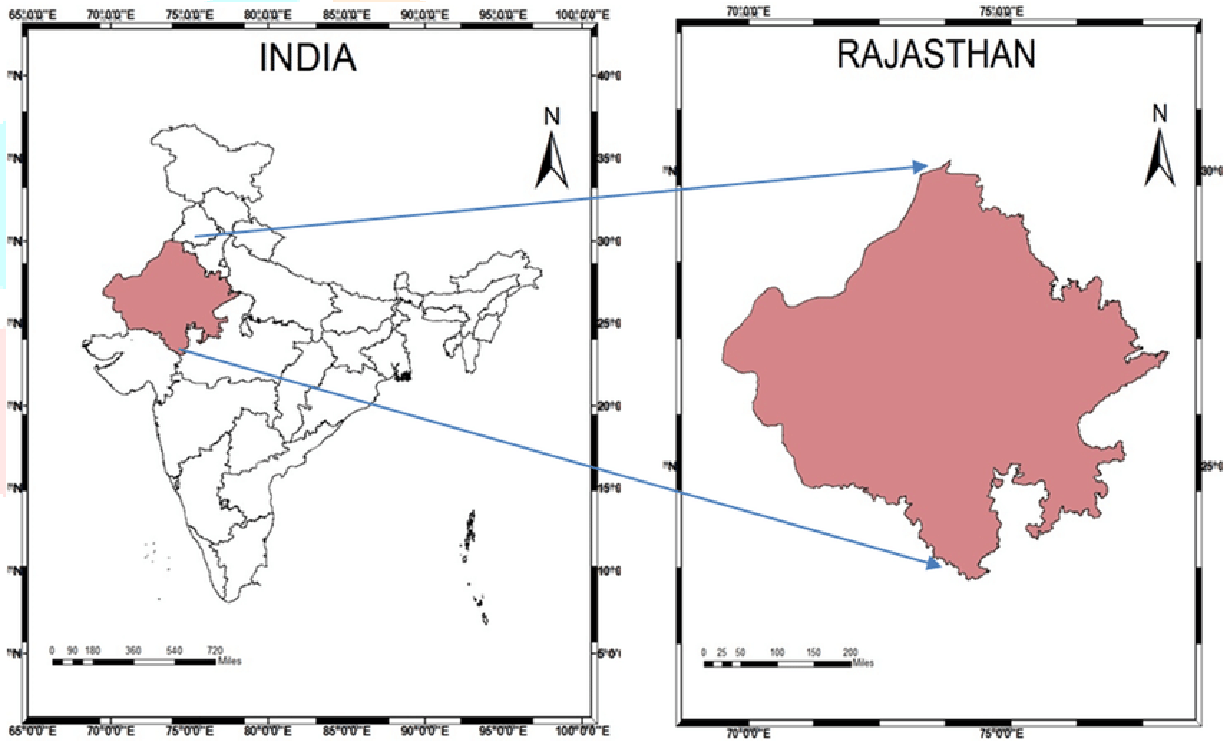

RAJASTHAN LOCATION MAP FIG. 1

RAJASTHAN PHYSICAL DIVISION MAP FIG. 2

राजस्थान की जनसंख्या :-

राजस्थान की जनसंख्या वर्ष 2011की जनगणना के अनुसार 68548437 व्यक्ति है इसमें 35550997 पुरुष व 32997440 महिलाये है जो राजस्थान की कुल जनसंख्या में क्रमशः 51.86% पुरुष व 48.14% महिलाये है, जनसंख्या की दृष्टी से भारत में राजस्थान 7 वे स्थान पर आता है ,

वर्ष	क्षेत्र	जनसंख्या	कुल जनसंख्या में प्रतिशत
2011	ग्रामीण	51500352	75.10
	नगरीय	17084085	24.90
कुल		68548437	100

RAJASTHAN POPULATION 2011 FIG .3 उपर्युक्त विवरणिका से स्पष्ट है की कुल जनसंख्या में 75.10% ग्रामीण व 24.90%नगरीय जनसंख्या यंहा निवास करती है ,

खाद्यान्न फसलो(गेंहू,चावल,मक्का,ज्वार,बाजरा) के अंतर्गत क्षेत्रफल :

(क्षेत्रफल 000 हेक्टेयर में) ▯▯▯ 4

वर्ष	गेंहू	मक्का	चावल	ज्वार	बाजरा
2018-19	2997 .53	857.17	197.81	564.40	4239.14
2019-20	3497.20	891.11	219.52	642.86	4287.16
2020-21	3238.52	993.20	231.47	553.62	4350.27
2021-22	2840.09	951.79	196.45	619.98	4329.59
2022-23	3009.33	956.86	234.31	637.29	4571.01

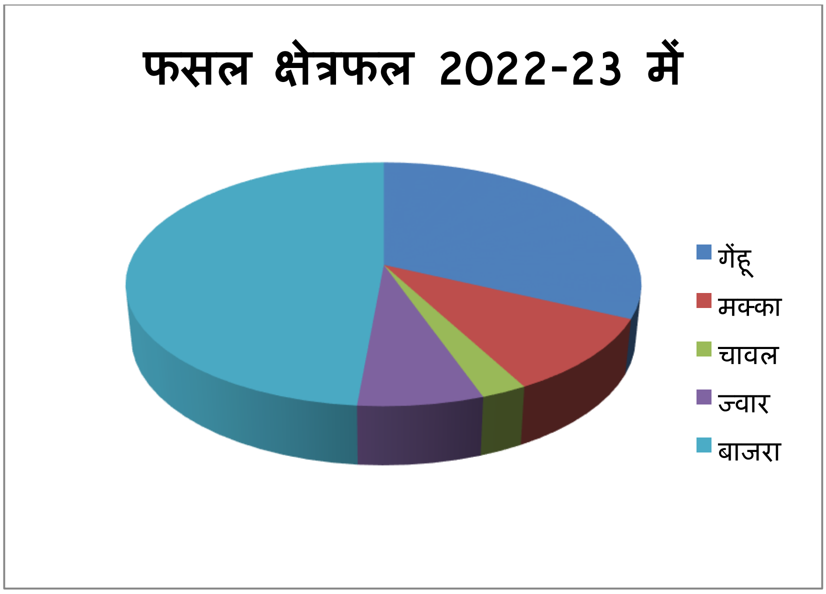

उपर्युक्त तालिका के अध्ययन से हम यह कह सकते हे की राज्य में बाजरा और गेंहू की फसल अधिक मात्र में उपजाई जाती है प्रथम स्थान पर बाजरा,द्वितीयक स्थान पर गेंहू ,व तृतीय स्थान पर मक्का का क्षेत्रफल राज्य में सर्वाधिक रहता है ,

खाद्यान्न उत्पादन(गेंहू,मक्का,चावल,ज्वार,बाजरा,) :-

राजस्थान में उत्पादन की दृष्टी से सर्वाधिक उत्पादन गेंहू की फसल का किया जाता है गेंहू मुख्य खाद्य रबी की फसल है ,इसके पश्चात बाजरा और मक्का मुख्य रूप से खाया जाता है ,निम्न तालिका मुख्य फसलो के वर्षवार उत्पादन को बतलाती है

फसल

उत्पादन 000 मिलियन टन में ▯▯▯ 5

वर्ष	गेंहू	मक्का	चावल	ज्वार	बाजरा
2018-19	11962.81	1913.13	453.17	469.76	3779.43
2019-20	13894.29	1155.67	480.55	456.08	5086.65
2020-21	12679.93	2735.18	634.03	586.05	5803.60
2021-22	11112.28	1984.57	478.50	535.70	4313.77
2022-23	11321.02	2122.61	577.45	567.44	5918.71

FIG. 6

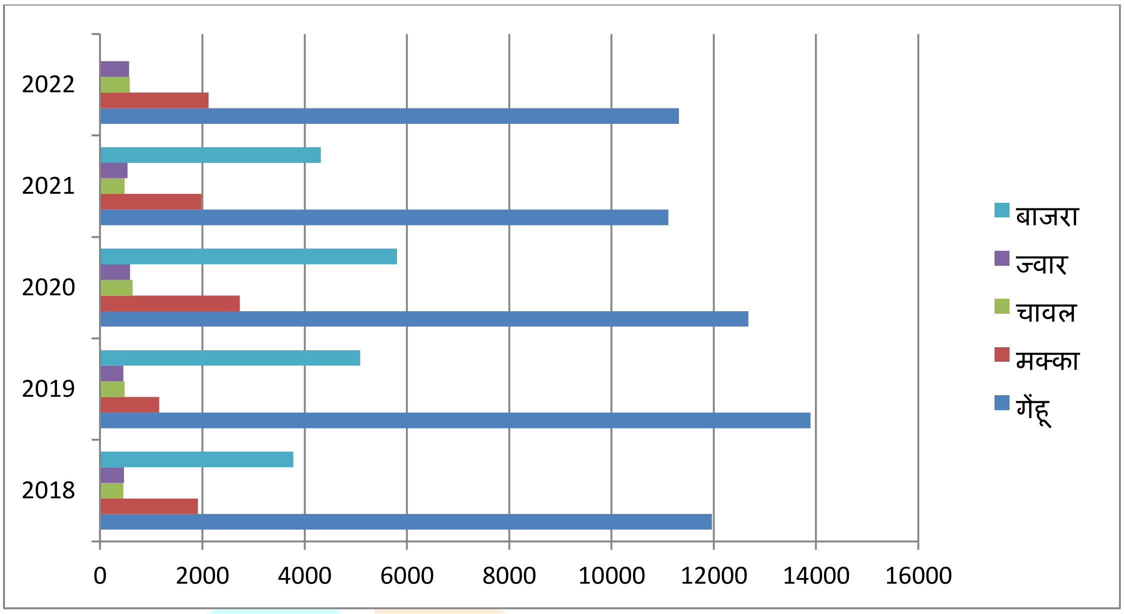

प्रतिव्यक्ति खाद्यान्न फसल की उपलब्धता(गेंहू,मक्का,चावल,ज्वार,बाजरा,):- प्रतिव्यक्ति खाद्यान उपलब्धता की मात्र किलोग्राम में मापी गयी है इसके लिए प्रति फसल प्रतिवर्ष कुल उत्पादन में राज्य की कुल जनसंख्या का भाग देकर मात्रा प्राप्त की गयी है ,जाहिर सी बात है जो फसल उत्पादन में अधिक होगी वही फसल प्रतिव्यक्ति उपलब्धता में भी अधिक होगी. राज्य में क्रमशः गेंहू, बाजरा, मक्का, चावल,ज्वार का क्रम आता है

fig 7

वर्ष	गेंहू	मक्का	चावल	ज्वार	बाजरा
2018-19	174.50	27.90	6.60	6.84	55.12
2019-20	202.68	16.84	7.00	6.65	74.19
2020-21	184.96	39.89	9.24	8.54	84.65
2021-22	162.10	28.94	6.97	7.80	62.91
2022-23	165.15	30.95	8.41	8.27	86.33
ओसत उत्पादन	177.87	28.90	7.64	7.62	72.64

अध्ययन की जा रही खाद्यान्न फसलों(गेंहू,मक्का,चावल,ज्वार,बाजरा,) के उत्पादन में प्रति फसल की प्रतिशतता :-

प्रति फसल की प्रतिशत मात्रा ज्ञात करने के लिए ओसत उत्पादन का प्रयोग किया गया है ,पांचो खाद्यान्न फसलो के पिछले पांच वर्ष के उत्पादन आंकड़ो के ओसत से प्रति फसल की प्रतिशत मात्रा निकली गयी है

□□□ 8

गेंहू	मक्का	चावल	ज्वार	बाजरा
60.36	9.80	2.59	2.59	24.65

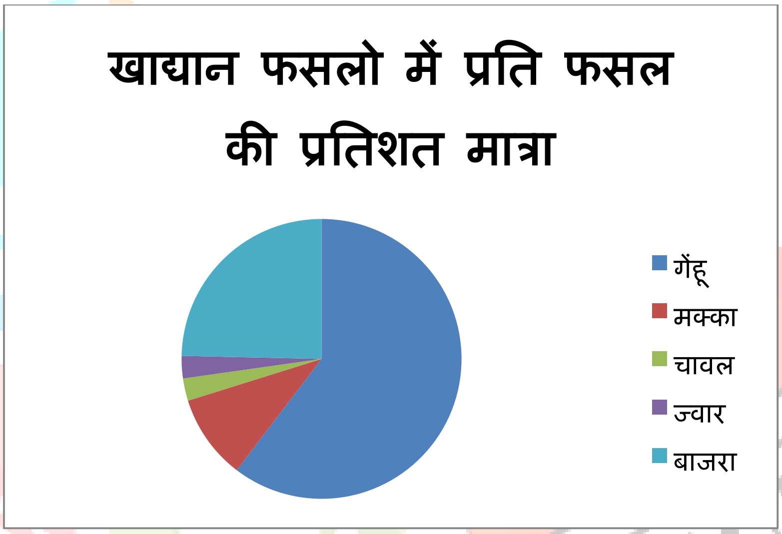

fig 9

अध्ययन की जा रही फसलों का उपयोग करने वाली जनसंख्या की प्रतिशत मात्रा:- उपर्युक्त आंकड़ो के अध्यन से हम यह कह सकते है की फसल का जितना प्रतिशत भाग उत्पादन हो रहा है उतनी ही प्रतिशत जनसंख्या उस फसल का उपयोग कर रही है , यह मात्र एक सामान्य अधययन है ओसतन रूप से गेंहू को 60%व्यक्ति,बाजरा को 25%,मक्का को 10%,व चावल और ज्वार को 5% व्यक्तियों द्वारा अपने खाद्य में शामिल किया जाता है या हम यह भी कह सकते है की गेंहू 60%,मक्का 10%,बाजरा 25%,चावल और ज्वार 5%,जनसंख्या की खाद्य पूर्ति हेतु पर्याप्त है ,

विश्लेषण :-

उपर्युक्त पांचो खाद्यान फसलों के उत्पादन अध्ययन के आधार पर यह निकल कर आता है ही राज्य में गेंहू की फसल मुख्य खाद्यान्न फसल है किसी न किसी रूप में राज्य की 60 प्रतिशत जनसंख्या गेंहू के ऊपर निर्भर है , इसके बाद बाजरा जो की कम पानी की फसल है का नंबर आता है जो मुख्य

खाद्यान्न के रूप में प्रयोग ली जाती है ,राज्य के शुष्क और अर्धशुष्क क्षेत्रों में यह मुख्य खाद्यान्न है ओसतन 24 प्रतिशत व्यक्ति इसको उपयोग में लेते है, मक्का ,चावल और ज्वार का उपयोग भी किया जाता है , चावल हालाँकि पानी वाले क्षेत्रों में अधिक मात्रा में उपजाया जाता है ,लेकिन कम व्यक्ति ही इसको रोजाना खाते है , मक्का मुख्यतः सर्दी के मौसम में खायी जाती है , अतः राज्य के लगभग सभी क्षेत्रों में इसे सर्दी का मुख्य खाद्यान्न माना जाता है

विश्लेषण के रूप में हम कह सकते है की राजस्थान देश का क्षेत्रफल की दृष्टी से सबसे बड़ा राज्य तो है परन्तु यहाँ फसल उत्पादन के लिए प्रयाप्त भूमि उपलब्ध नहीं है राज्य की 10.31%भूमि बंजर है, फिर भी राज्य अपनी आवशकता की पूर्ति के अनुरूप खाद्यान का उत्पादन कर लेता है, यहाँ के किसान परम्परागत कृषि को ही महत्व देते है, इस क्षेत्र का धरातल, व जलवायु कृषि के अनुकूल नहीं कहा जा सकता, निरंतर बढती हुई जनसंख्या और कृषि भूमि की कमी, आवासों के निर्माण हेतु कृषि भूमि का उपयोग आदि कारक भी हमें सोचने को मजबूर कर रहे है , राजस्थान में हर साल एक जैसा नहीं होता कभी यहाँ अतिवृष्टि होती है तो प्रति तीन वर्ष पश्चात यंहा अकाल पड़ता है ,

परन्तु फिर भी आंकड़े हमे संतोष प्रदान करते है की राज्य की जनसंख्या की खाद्य पूर्ति यंहा उपजाई जा रही फसलो के द्वारा की जा सकती है राज्य में इंदिरा गाँधी नहर के निर्माण,और हरित क्रांति के बाद से ही खाद्यान्न उत्पादन में वृद्धि हुई है ,मुख्यतः राज्य के पश्चिमी जिलो में सिंचाई के साधनों ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है राज्य में कृषि की उन्नत तकनीको,उन्नत बीजों,खाद,आदि सहायक कारको ने उत्पादन में वृद्धि की है ,

सन्दर्भ :

Bibliography

(n.d.).

अहमद, महेंद्र सिंह राव और नेसार. राजस्थान में कृषि की स्थिति सम्बंधित नीतिया एवं बजट आवंटन . न्यू दिल्ली : सेंटर फॉर बजट एंड गवर्नेंस अकाउंट एबिलिटी , n.d.

विभाग, एग्रीकल्चर. बूंदी कृषि रिपोर्ट . बूंदी : कृषि विभाग , 2022 .

विभाग, जनगणना. जनगणना रिपोर्ट . जयपुर : राजस्थान गवर्नमेंट , 2011 .

सरकार, राजस्थान. राजस्थान सांखिकीय रिपोर्,. जयपुर : राजस्थान सांखिकीय विभाग , 2018,19,20,21,22,.

सोनी, हिमांशु. "खाद्यान्न और जनसंख्या बूंदी जिले का सामान्य अध्ययन ." यूजीसी जर्नल (2025).